

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 22 ] No. 22] नई दिल्ली, बुधवार,जनवरी 10, 1996/पौष 20, 1917 NEW DELHI, WEDNESDAY, JANAUARY 10, 1996/PAUSA 20, 1917

#### वाणिज्य मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1996

का॰ अा॰ 24( अ ).— मैसर्स एम॰ एस॰ शूज ईस्ट लि॰, 5, एन डब्ल्यू ए, पंजाबी बाग एक्सटेंशन, नई दिल्ली को निम्नलिखित का आयात करने के लिए रुपये 6,50,00,000/-(अमरीकी डालर 25,00,000/-) का अग्रिय लाईसेंस संख्या पी/एल/1525698, दिनांक 27-8-93 और डी ई ई सी बुक संख्या 089577, दिनांक 27-8-93 जारी किया गया था :—

क्रमांक	आयात की मदें	मात्रा	लागत बीमा भाड़ा मूल्य (रू में)
1.	काटन फैब्रिक्स ढाइड/प्रिटेंड एम्ब्रायडर्ड	540 मी॰ टन	
2.	एल डी पी ई/एच डी पी ई/पी पी ग्रेनुअल्स	128 ਸੀ॰ ਟਜ ਂ	
3.	क्राफ्ट पेपर/कोटिङ पेपर कार्ड बोर्ड /आइवरी बोर्ड के अलाया	156 ਸੀ∘ ਟਭ	
4.	सेल्फ एडहेसिव टेप	30470 रोल	
	कुल कागत	6,50,00,000/-	
	बीमा भाड़ा मूल्य अमरीकी डालर	25,00,000.00	

लाइसेंस की वैधता शुरू में लाइसेंस जारी होने की तारीख से 12 महीने की थी जिसे बाद में 31-1-96 तक बढ़ा दिया गया था।

अब पार्टी ने इस आधार पर डी ई ई सी बुक (निर्यात) की अनुलिप प्रदान करने का अनुरोध किया है कि वह गुम/अस्थानस्थ हो गई है। पार्टी ने आवश्यक हलफनामा प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार उपरोक्त डी ई ई सी बुक (निर्यात) के एक पोर्ट के पास पंजीकृत थी और उसका आंशिक उपयोग किया गया था। पार्टी ने बताया है कि डी ई ई सी बुक (निर्यात) कुस राशि अमरोकी डालर 3,750,000.00 के लिए जारी की गई थी। हलफनामें में इस आशय की एक घोषणा भी शामिल की गई है कि यदि उक्त डी ई ई सी बुक (निर्यात) बाद में मिल जाती है। या उसका पता चल जाता है तो उसे संबंधित लाइसेसिंग प्राधिकारी को वापिस कर दी आएगी।

इस बात से सन्तुष्ट होने पर कि मूल डी ई ई सी बुक (निर्यात) खो गई है, अधोहस्ताक्षरी को यह निदेश हुआ है कि वह आवेदक को डी ई ई सी बुक (निर्यात) की एक दूसरी प्रति जारी कर दी जाए। साथ ही विदेश व्यापार (विकास विनियमन) अधिनियम, 1992 की उपधारा-4 के तहत प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतदद्वारा मूल डी ई ई सी बुक (निर्यात) को रदद करते हैं।

[फा॰ सं॰ 01/81/40/1776/ए एम-93-डी ई एस-4/2611] के॰ एम॰ ब्रहमे, उप महानिदेशक, विदेश व्यापारं

#### MINISTRY OF COMMERCE

### (Directorate General of Foreign Trade)

New Delhi, the 10th January, 1996

S.O. 24(E).— M/s. M. S. Shoes East Ltd., 5, N. W. A Punjabi Bagh Extension, New Delhi was issued an Advance Licence No. P/L/1525698 dated 27-8-93 and DEEC Book No 089577 dated 27-8-93 for Rs. 6,50,00,000/- (US \$25,00,000/-) for the import of the following:—

S.No.	Item of Imports	Quantity	cif value
1.	Cotton Fabrics Dyed/Printed embroidered	540 M.T.	
2.	LDPE/HDPE/PP Granules	128 M.T.	
3.	Kraft Paper/Coated Paper Card Board other than Ivori Board	156 M.T.	
4.	Self Adhesive Tape	30470 Rolls	
	Total CIF value	Rs. 6,50,00,000/-	
		US \$ 25,00,000.00	
	CIF value of item No. 4 will not exceed US \$ 18,750.00)		

The initial validity of the licence was 12 months from the date of issue of the licence and later on the same was extended upto 31-1-96.

Now the party have applied for grant of a duplicate DEEC Book (Exports) on the ground that the same has been lost/misplaced. The party has furnished necessary affidavit according to which aforesaid DEEC Book (Exports) was registered with the J.N. Port and was partly utilised. The party has stated that the total amount for which the DEEC book (Export) was issued is US \$ 3,750,000.00.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said DEEC Book (Exports) is traced or found later on, it will be returned to the concerned licensing authority.

On being satisfied that the original DEEC Book (Exports) has been lost, the undersigned is directerd to issue a duplicate DEEC Book (Exports) to the applicant. At the same time in exercise of the powers conferred in sub-clause (4) of the Foreign Trade (Development Regulation) Act, 1992, the undersigned hereby cancel the original DEEC Book (Exports).

[F.No. 01/81/40/1776/AM93-DES-IV/2611] K.M. BRAHME, Dy. Director General of Foreign Trade